

भारत का राजपत्र

The Gazette of India



भसाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ८०] नई विल्सनी, एक्सबार, फरवरी १६, १९७९/माघ २७, १९००
No. 80] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 16, 1979/MAGHA 27, 1900

इस भाग में भिन्न पाँच संलग्न वी जारी हैं जिससे इक पाँच अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation.

शिक्षा तथा समाज कल्याण भंडालय

(शिक्षा विभाग)

अधिकृत

नई विल्सनी, १६ फरवरी, १९७९

का०खा० ९६(ग).—विश्वविद्यालय अनुदान प्रायोग अधिनियम, १९५६ (१९५६ का ३) की धारा ६ की उपधारा (१) के साथ पठित धारा ५ की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा नियन्त्रित छायकार्यों को विश्वविद्यालय अनुदान प्रायोग के संवर्त्यों के रूप में नियुक्त करती है प्रथमि—

(१) डा० मृणाल मिश्र, ब्रोफेसर एवं प्रधान, धारा ५ की उपधारा (३) के खण्ड (ग)
दर्पण विभाग, नाथ-ईस्टर्न विह यूनिवर्सिटी, के अन्तर्गत चुने गये हैं।
शिक्षाग।

(२) ग्यायमूर्ति एच० धार० छाना, प्रधान, विधि धारा ५ की उपधारा (३) के खण्ड (ग)
प्रायोग।

2. उपरोक्त सदस्य तीन वर्ष की अवधि तक अपने पदों पर रहेगे।

[मं. प्रक. 1-60/78-U.5]

सामनाध पण्डित, संयुक्त मंचिक

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE

(Department of Education)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th February, 1979

S.O. 25(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 5 read with Sub-Section (1) of Section 6 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), the Central Government hereby appoints the following persons to be members of the University Grants Commission, namely:—

- | | |
|---|--|
| (1) Dr. Mrinal Miri,
Professor and Head of the
Department of Philosophy,
North-Eastern Hill University,
SHILLONG. | Chosen under clause (b) of Sub-
Section (3) of Section 5. |
| (2) Mr. Justice H.R. Khanna,
Chairman,
Law Commission. | Chosen under clause (c) of Sub-
Section (3) of Section 5. |

2. The above mentioned members will hold office for a term of three years.

[No.F. 1-60/78-U.5]

S. N. PANDITA, Jt. Secy.